

| | | |
|----|---|----|
| 10 | τε ουν] ΕΙΣΗΛΘΕΝ Κ[αι ο αλ]λος μα[θη- | 26 |
| 11 | της ο ε]ΛΘΩΝ ΠΡΩΤΟΣ [εις] ΤΟ ΜΝΗ- | 23 |
| 12 | ΜΕΙΟ[ν] ΚΑΙ ἴΔΕΝ καΙ ε[πι]ΣΤΕΥΣΕΝ | 25 |
| 13 | ⁹ ο]ΥΔεπ[ω] γ[α]Ρ ΗΔΕΙΣ[αν τ]ΗΝ ΓΡΑΦ[ην | 25 |
| 14 | ο]ΤΙ ΔΙ ΑΥ[τον] ΕΚ ΝΕΚ[ρω]Ν ΑΝΑΣ[τη- | 24 |
| 15 | ν]ΑΙ· ¹⁰ ΑΠη[λθο]Ν ΟΥν Π[αλι]Ν ΠΡΟΣ | 22 |
| 16 | αυτους οι μ]ΑΘΗΤΑΙ· ¹¹ ΜΑΡΙΑ ^Μ ⁴ ΔΕ [ει- | 24 |
| 17 | στηκε προ]ς τΩ Μν[η]μΕΙΩ ε[ξω | 22 |
| 18 | κλαιουσα ως ουν εκλαιεν παρεκυ- | 26 |
| 19 | ψεν εις το μνημειον ¹² και θεω- | 22 |

Zeilen 18 und 19 ergänzt

⁴ ΙΑ korrigiert aus X.